ई.सी.ओ.–03

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
2015–16

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 03 : संगठन सिद्धांत और व्यवहार

जुलाई 2015 तथा जनवरी 2016 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

वाणिज्य में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
ई.सी.ओ. – 03 : संगठन सिद्वांत और व्यवहार

सत्रीय कार्य – 2015–16

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30: अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2015 और जनवरी 2016)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2015,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2016** तक है।

2. जो **जनवरी 2016,** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसम्बर 2016** तक है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	ई.सी.ओ. –03
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	संगठन सिद्धांत और व्यवहार
सत्रीय कार्य का कोड	:	ई.सी.ओ. –03/टी.एम.ए./2015 –16
खण्डों की संख्या	:	सभी खण्ड

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1) प्रबंध के सिद्वांत कार्य निश्पति के एक सर्वश्रेश्ठ मांग पर केद्रित करते हैं तथा ''आदेश नामक प्रकृति'' के हैं। क्या आप इस विचार से सहमत हैं। कारण स्पष्ट कीजिए तथा प्रबंध के विभिन्न सिद्वांन्तों का वर्णन कीजिए।

(6+14)

2) मनोबल से क्या तात्पर्य है। एक संगठन में कर्मचारियों के मनोबल को प्रभावित करनें वालें कारकों को बतलाइए। मनोबल के संदर्भ में नेतृत्व का क्या महत्व है।

(4+8+8)

3) निम्नलिखित में अन्तर बतलाइए।
   i) सामरिक नियोजन और युक्ति नियोजन
   ii) निरंकुश शैली या सत्तावादी शैली
   iii) औपचारिक सम्प्रेशण तथा अनौपचारिक सम्प्रेशण
   iv) पर्ट (PERT) एवं सी. पी. एम. (CPM)

(4×5)

4) निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।
   i) एक विशेष व्यक्ति का व्यवहार उसके समूह में सम्मिलित होने पर होने वाले व्यवहार के अत्यधिक प्रभावित होता है।
   ii) मध्यकालिक योजनाएं एक वर्ष से अधिक अवधि की होती है।
   iii) प्रबंध के लिए विकेन्द्रीकरण अनिवार्य है, किन्तु प्रत्योजन एच्छिक है।
   iv) संगठन के कार्यो में कुशलता लाने में नियंत्रण सहायक होता है।

(4×5)

5) निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए।

   i) नियंत्रण का विस्तार
   ii) भर्ती
   iii) नियंत्रण की प्रकिया
   iv) नेतृत्व की प्रभावकारिता

(4×5)